Roll No. ..... Total Pages : 4

4601

M.A. (Previous) Examination, 2016

RAJASTHANI SAHITYA

Paper–I

(Prachin Avam Madhyakalin Gadya)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

खण्ड–अ [Marks : 20

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड–ब [Marks : 50

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड–स [Marks : 30

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड–अ

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इकाई–I

(क) 'कथासरित्सागर' का वैताल पच्चीसी से क्या संबंध है?

(ख) 'वैताल पच्चीसी' के रूपांतरणकार कौन हैं?

इकाई–II

(ग) 'वचनिका' को 'वचनिका' क्यों कहते हैं?

(घ) चारणों की एक वचनिका रचना का नामोल्लेख दीजिए।

इकाई–III

(ङ) 'वात सीहै सिंघल री' में किसका वर्णन है?

(च) पठित **दो** ख्यातों का नामोल्लेख कीजिए।

इकाई–IV

(छ) 'एतो सुणि राजा एकांत हुवौ' का अर्थ लिखिए।

(ज) 'कालै मरण मनोरथ वीधा' का निहितार्थ लिखिए।

इकाई–V

(झ) प्राचीन **दो** गद्य रूपों का नामोल्लेख कीजिए।

(ञ) ख्यात का आशय स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–ब

इकाई–I

2. 'वैताल पच्चीसी' की किसी **एक** कथा का सार लिखिए।

3. 'वैताल पच्चीसी' कथा शैली पर विचार कीजिए।

इकाई–II

4. 'वचनिका राठौड़ रतनसिंघ महेस दासोत री खिड़िया जगा री मही' का सार अपने शब्दों में लिखिए।

5. 'वचनिका राठौड़ रतनसिंघ महेस दासोत री खिड़िया जगा री कही' की भाषा पर विचार कीजिए।

इकाई–III

6. मुंहता नैणसी का परिचय दीजिए।

7. मुंहता नैणसी की ख्यात की ऐतिहासिकता पर विचार कीजिए।

इकाई–IV

8. निम्नांकित अंश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

औरंगसाह दीसौ आखो इम।
जुध करिस्याँ कैरव पांडव जिम।।
आहवि वाहि वहाड़ि असिम्मर।
महाराज ले जज्यो मधुकर।।

9. निम्नांकित अंश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

आराध करतां श्री भगवती प्रसन्न हुई। कहियौ थारी पटराणी रइ पुत्र हूसी। महा धर्मात्मा दूसी अनै चिरंजीव हूसी। श्री भवांनीजी रइ प्रसाद थी दस में मासी पटराणी रइ पुत्र हुवौ। राजा पुत्र रो महोच्छव कीयौ। नगर लौके उछाह कीयौ।

इकाई–V

10. किसी एक ख्यात रचना पर टिप्पणी लिखिए।

11. राजस्थानी में वात साहित्य का परिचय दीजिए।

खण्ड–स

इकाई–I

12. 'वैताल पच्चीसी' का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

इकाई–II

13. वचनिका साहित्य पर एक विस्तृत निबंध लिखिए।

इकाई–III

14. 'मुंहता नैगसी री ख्यात' उत्तर भारतीय इतिहास का आधारभूत ग्रंथ है। सोदाहरण समझाइए।

इकाई–IV

15. राजस्थानी की गद्य परंपरा का आकलन कीजिए।

इकाई–V

16. राजस्थानी गद्य रूपों के सामाजिक आधार पर प्रकाश डालिए।